

पापमय वि. (तत्.) जिसमें सर्वत्र पाप ही पाप हो, पाप से ओत-प्रोत, पाप से भरा हुआ, जो सदा पाप वासना या चेष्टाओं में लिप्त रहे।

पापमित्र पुं. (तत्.) दुष्टमित्र, अहित करने वाला साथी।

पापमुक्त वि. (तत्.) जिसे पापों से छुटकारा मिल गया हो, निष्पाप।

पापमोचन पुं. (तत्.) 1. पापों का नाश करने की क्रिया, पाप का प्रक्षालन 2. पापों का नाश करने वाला देवता, संत, तीर्थ आदि।

पापमोचनी स्त्री. (तत्.) चैत्र कृष्ण पक्ष की एकादशी।

पापयोनि स्त्री. (तत्.) (पुराण) निकृष्ट-निंदित योनि, पाप से प्राप्त होने वाली योनि।

पापरोग पुं. (तत्.) 1. विशेष पाप करने से होने वाला रोग, पाप विशेष के फल से उत्पन्न रोग 2. (पुराण) मसूरिका, वसंत रोग, छोटी माता।

पापरोगी वि. (तत्.) पापरोग युक्त, जिन्हें कोई पापरोग हुआ हो।

पापधि स्त्री. (तत्.) मृगया, आखेट, शिकार, जिन्हें करने से पाप की ऋद्धि या वृद्धि होती है।

पापलोक पुं. (तत्.) (पुराण) पापियों के रहने का स्थान, नरक।

पापवाद पुं. (तत्.) अशुभसूचक शब्द, अमंगल ध्वनि, जैसे कौए की अशुभ सूचक बोली।

पापशमनी स्त्री. (तत्.) शमीवृक्ष।

पापशोधन पुं. (तत्.) पाप से शुद्ध होने की क्रिया या भाव, पाप-निवारण 2. तीर्थस्थान दे. पापमोचन।

पापहर वि. (तत्.) पापनाशक, पापहारक दे. 'पापमोचन'।

पापहा वि. (तत्.) दे. पापमोचन।

पापांकुशा स्त्री. (तत्.) आश्विन मास की शुक्ला एकादशी का नाम।

पापा स्त्री. (तत्.) बुध की उस समय की गति जब वह हस्त, अनुराधा अथवा ज्येष्ठा नक्षत्र में

रहता है पुं. (देश.) 'पापाख्या' एक छोटा कीड़ा जो ज्वार, बाजरे आदि की फसल में प्रायः उस वर्ष लग जाता है जिस वर्ष बरसात अधिक होती है पुं. (अं.) 1. बच्चों की स्वाभाविक बोली या शब्द जिससे वे अपने पिता को संबोधित करते हैं, बापू, पिताजी।

पापाख्या स्त्री. (तत्.) दे. पापा (स्त्री.)।

पापाचरण पुं. (तत्.) पापपूर्ण कार्य, पाप का आचरण।

पापाचार पुं. (तत्.) दे. पापाचरण।

पापात्मा वि. (तत्.) जिसकी आत्मा सदा पापकर्म में लिप्त हो; पाप में अनुरक्त, पापी, दुष्टात्मा।

पापाधम पुं. (तत्.) महापापी, अत्यंत पापी।

पापानुबंध पुं. (तत्.) पाप का परिणाम, पाप का फल।

पापानुवसित वि. (तत्.) पापात्मा, पापी।

पापापनति स्त्री. (तत्.) पाप दूर करना, प्रायश्चित।

पापारंभ पुं. (तत्.) [पाप+आरंभ] दुष्कर्म अथवा पाप करने की प्रवृत्ति।

पापारंभक वि. (तत्.) [पाप+आरंभक] जो पाप कर्म अथवा दुष्कर्म करना चाहता हो।

पापात्त वि. (तत्.) [पाप+आर्त] जो अपने दुष्कर्मों के फल की आशंका से दुःखी हो।

पापाशय वि. (तत्.) जिसके मन में पाप हो, कुटिल हृदय।

पापाह पुं. (तत्.) [पाप+अह] 1. अशौच अथवा सूतक का अवसर 2. अशुभ या बुरा दिन।

पापिष्ठ वि. (तत्.) बहुत बड़ा पापी, घोर दुष्कर्मी।

पापी वि. (तत्.) पाप में रत या अनुरक्त, पातकी, पापकर्म करने वाला दुष्कर्मी ला.अर्थ. क्रूर, निर्मोही या निर्दयी स्त्री. पापिन।

पापोश स्त्री. (फा.) जूता, उपानह।

पापोशकार पुं. (फा.) जूते बनाने वाला, मोची।

पाप्मा वि. (तत्.) पापी, पाप करने वाला।